पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल से मिले भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

लखनऊः 11 अगस्त, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक से आज राजभवन में श्री शशिकांत शर्मा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, श्री पी0के0 कटारिया प्रधान महालेखाकार, सुश्री विनीत मिश्रा महालेखाकार उत्तर प्रदेश, श्री अनादि मिश्रा सचिव नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने शिष्टाचारिक भेंट की। उल्लेखनीय है कि श्री शशिकांत शर्मा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कल लखनऊ में नवनिर्मित 'आडिट भवन' के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होने आये थे।

राज्यपाल ने कहा कि महालेखाकार कार्यालय संविधान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जैसे मेरूदण्ड पूरी शरीर को नियंत्रित करता है, उसी प्रकार महालेखाकार कार्यालय सभी सरकारी आय-व्यय पर नियंत्रण रखता है। उनका महालेखाकार कार्यालय से पुराना संबंध रहा है। 1955 में उन्होंने जीवन की अपनी पहली नौकरी की शुरूआत उपमहालेखाकार कार्यालय मुंबई में लिपिक के रूप में की थी। 1955 से 1957 तक उन्होंने इस कार्यालय में अपना योगदान दिया तथा बाद में समाज सेवा के लिए उन्होंने नौकरी से त्याग-पत्र दे दिया। त्याग-पत्र देने के बाद उन्होंने जनसंघ के लिए कार्य किया। वे तीन बार महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य रहे हैं तथा पांच बार लगातार मुंबई से सांसद भी रहे हैं। महालेखाकार कार्यालय से उन्हें जवाबदेही और पारदर्शिता की जो सीख मिली है उसके अंतर्गत विगत 37 वर्षों से वे अपना वार्षिक कार्यवृत्त जनता के समक्ष प्रस्तुत करते आ रहे हैं। राज्यपाल रहते हुए भी जनता के प्रति जवाबदेही एवं पारदर्शिता के मद्देनजर वार्षिक कार्यवृत्त जारी करने की परम्परा को बनाये हुए हैं।

राज्यपाल ने बताया कि सार्वजनिक सम्पत्ति की सुरक्षा की दृष्टि एवं सरकारी जमीन पर अवैध कब्जों के संबंध में मुख्यमंत्री को भेजे गये अपने पत्र में कहा है कि अनधिकृत व्यक्तियों एवं संगठनों द्वारा अवैध रूप से कब्जा किये भूमि/भवनों आदि सम्पत्तियों का क्षेत्रफल, अनुमानित बाजारू मूल्य, उन पर कब से अवैध कब्जा किया गया है तथा अनधिकृत कब्जे से राज्य सरकार एवं संबंधित संस्थाओं को हुई क्षति के अनुमानित मूल्य के संबंध में रिपोर्ट प्राप्त करके राज्य सरकार 'श्वेत पत्र' का प्रकाशन करें। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की ओर से इस संबंध में कार्यवाही भी की जा रही है।

राज्यपाल ने श्री शशिकांत शर्मा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक व उनके अन्य सहयोगी अधिकारियों को अपना वार्षिक कार्यवृत्त 'राजभवन में राम नाईक 2015-16' व पुस्तक 'बर्ड्स आफ राजभवन उत्तर प्रदेश' की प्रति भेंट की।

अंजुम/ललित/राजभवन (285/15)